

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे



धर्मेन्द्र प्रधान की ओडिशा वापसी से बड़ी अटकलें,

क्या अब राज्य की राजनीति में निभाएंगे बड़ी भूमिका?

भुवनेश्वर।

**केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से
इस्तीफा देने के बाद पहली बार
गृह राज्य ओडिशा पहुंचे वरिष्ठ
भाजपा नेता धर्मेन्द्र प्रधान का
पार्टी नेताओं और समर्थकों ने
जोरदार स्वागत किया।**

भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर कई मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे राज्य की राजनीति में उनकी भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे के बावजूद धर्मेन्द्र प्रधान का ओडिशा भाजपा में प्रभाव

कम नहीं हुआ है। पार्टी नेतृत्व उनके इस्तीफे को "राजनीतिक जिम्मेदारी" के रूप में पेश कर रहा है, जबकि विपक्ष इसे छात्र आंदोलनों के दबाव का परिणाम बता रहा है।

धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने इस्तीफे के बाद कहा था कि उन्होंने छात्रों के हित और देश की एकता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया। इसके बाद उनकी ओडिशा वापसी को राज्य भाजपा के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। हालांकि, फिलहाल भाजपा की ओर से धर्मेन्द्र प्रधान की नई भूमिका को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जरूर है कि आने वाले समय में वे संगठन या राज्य की राजनीति में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

आदिवासी प्रतिनिधि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से करेंगे मुलाकात

राष्ट्रपति भवन में गूंजेगी बस्तर आदिवासी संस्कृति, विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा की परंपराओं से रूबरू होगा देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा की गौरवशाली परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण अवसर आने जा रहा है। बस्तर दशहरा उत्सव में अहम भूमिका निभाने वाले विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल आज राष्ट्रपति से मुलाकात करेगा।

इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति को बस्तर की सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव की ऐतिहासिक एवं धार्मिक विशेषताओं से अवगत कराएगा।

बस्तर दशहरा देशभर में मनाए जाने वाले पारंपरिक दशहरा उत्सवों से पूरी तरह अलग और अपनी अनूठी पहचान रखने वाला पर्व है।

प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति को यह भी बताएगा कि बस्तर दशहरा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक एकता और लोक आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है।

इस उत्सव में विभिन्न जनजातीय समुदायों की सहभागिता भारत की सांस्कृतिक विविधता और लोकतांत्रिक परंपराओं को भी मजबूती प्रदान करती है।

इस महत्वपूर्ण मुलाकात को आदिवासी संस्कृति और जनजातीय विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

संभावना है कि प्रतिनिधिमंडल बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण, पारंपरिक आयोजनों को बढ़ावा देने, जनजातीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन तथा आने वाली पीढ़ियों तक इस विरासत को सुरक्षित पहुंचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बस्तर की इस अनमोल सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक संरक्षण एवं प्रोत्साहन मिलता है, तो यह न केवल आदिवासी समाज की परंपराओं को सशक्त करेगा, बल्कि देश और दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अनूठा उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।

प्रधानमंत्री की मौजूदगी में कैबिनेट की अहम बैठक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर पैदा हुई चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने देश में पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर बड़ा भरोसा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में सभी मंत्रालयों ने अपनी तैयारियों की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा

कि फिलहाल आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति बाधित होने की आशंका नहीं है। बैठक में पेट्रोलियम, उर्वरक, खाद्य, जहाजरानी और विदेश मंत्रालय सहित विभिन्न विभागों ने मौजूदा स्थिति और संभावित चुनौतियों पर प्रस्तुति दी। सरकार ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा आपूर्ति, उर्वरक उपलब्धता और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

बैठक में इस बात पर भी विशेष जोर दिया गया कि यदि खाड़ी क्षेत्र में किसी भारतीय नाविक की मृत्यु या उस पर हमला होता है, तो भारत सरकार इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी मजबूती से उठाएगी। विदेश मंत्रालय को भारतीय नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित देशों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

घबराने की जरूरत नहीं

सरकार का कहना है

कि देश में ईंधन और उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इसलिए आम नागरिकों को पेट्रोल, डीजल या उर्वरकों की कमी की आशंका में अनावश्यक खरीदारी या भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर तत्काल निर्णय लिए जाएंगे। वैश्विक संकट के दौर में किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी तैयारी होती है। केंद्र सरकार का यह भरोसा राहत देने वाला है।

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत जनभागीदारी से स्वच्छता की नई मिसाल गढ़ने सार्थक प्रयास जारी

नवल किशोर

घर-घर पहुंचकर दिया कचरा पृथक्करण का संदेश, विद्यालयों में 'स्वच्छ हाथ' गतिविधियों से विद्यार्थियों को किया जागरूक

कटनी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लक्ष्य को लेकर नगर पालिक निगम कटनी द्वारा जनसहभागिता आधारित स्वच्छता अभियान को लगातार गति दी जा रही है। निगम प्रशासन के मार्गदर्शन में निगम की सहयोगी संस्था विजन की आईईसी टीम शहर के विभिन्न वार्डों में डोर-टू-डोर संपर्क, विद्यालयों में व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियों एवं सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित कर रही है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को कचरा पृथक्करण, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई के प्रति जिम्मेदार बनाना है।

इसी क्रम में विगत दिवस वार्ड क्रमांक 12 सहित विभिन्न क्षेत्रों में टीम द्वारा घर-घर संपर्क कर नागरिकों को गीले एवं सूखे कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण करने, पृथक् किए गए कचरे को नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन



में ही देने तथा स्वच्छता संबंधी आदतों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही कचरा पृथक्करण के पर्यावरणीय, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

वहीं, वार्ड क्रमांक 9 स्थित तिलक राष्ट्रीय स्कूल एवं वार्ड क्रमांक 13 स्थित निषाद स्कूल में "सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ" अभियान के अंतर्गत स्वच्छ हाथ गतिविधि आयोजित की गई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वैज्ञानिक तरीके से हाथ धोने की सही विधि, व्यक्तिगत स्वच्छता, विद्यालय एवं घर के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा डस्टबिन के नियमित उपयोग के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को स्वच्छता का संदेश अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त वार्ड क्रमांक 1

स्थित BWG राज पैलेस में आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों से कचरा पृथक्करण को दैनिक आदत बनाने, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में कटनी को देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में शामिल कराने के लिए सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई। नगर पालिक निगम कटनी ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता ही स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल कटनी के निर्माण का आधार है। निगम प्रशासन ने सभी नागरिकों से नियमित रूप से कचरा पृथक्करण अपनाने, स्वच्छता नियमों का पालन करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में कटनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की।

एम्बुलेंस में बैठाकर युवक को पीटा और लूटा रंगनाथनगर पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार, बुलेट और एम्बुलेंस जब्त



नवल किशोर

कटनी । रंगनाथनगर पुलिस ने रंगदारी, मारपीट और लूट के मामले का खुलासा करते हुए चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक एम्बुलेंस, एक बुलेट मोटरसाइकिल और लूटी गई नगदी बरामद की है। न्यायालय में पेश करने के बाद चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। घटना मदन मोहन चौबे वार्ड निवासी राजेंद्र कोल के साथ घटी। शिकायत के अनुसार, 13 मार्च को बच्चू उर्फ चंद्रप्रकाश गौतेल फरियादी को अपनी बुलेट से बरगवां मछली मार्केट ले गया। वहां शुभम पटेल, शक्ति सोनी और बच्ची उर्फ वीरेंद्र यादव पहले से मौजूद थे। चारों ने फरियादी को जबरन एम्बुलेंस (MP 21 ZG 6349) में बैठा लिया और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज व मारपीट की।

इसके बाद आरोपी उसे एक सुनसान जगह ले गए, जहां डंडों और लात-घूंघों से जमकर पीटा। जान से मारने की धमकी देकर आरोपियों ने फरियादी का वनप्लस मोबाइल और जेब में रखे रुपये छीन लिए। गंभीर रूप से घायल होने के कारण फरियादी को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना

पड़ा, जिसके चलते उसने ठीक होने पर 16 अप्रैल को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पीड़ित की शिकायत पर थाना रंगनाथनगर में बीएनएस की विभिन्न धाराओं—296(बी), 115(2), 309(4), 351(2) और 3(5) के तहत अपराध क्रमांक 311/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसपी के निर्देशन, एसपी व डीएसपी (अजाक) के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी उप निरीक्षक अरुणपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने लगातार दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी

- » शक्ति सोनी (25 वर्ष), निवासी भूमिया टोला, कटनी
- » शुभम पटेल (23 वर्ष), निवासी पठरा करहिया, कुठला, कटनी
- » बच्चू उर्फ चंद्रप्रकाश गौतेल (25 वर्ष), निवासी झर्राटिकुरिया, कटनी
- » बच्ची उर्फ वीरेंद्र यादव (19 वर्ष), निवासी बंधवा टोला, कटनी
- » पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल (MP 21 ZB 2808), एम्बुलेंस (MP 21 ZG 6349) और 700 नगद जब्त किए हैं।

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by RANJEET TIMES GROUP

ADMISSIONS OPEN 2026-27

KG-1 to Class 10

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

दैनिक रंजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें

सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

किसानों की हर समस्या का समाधान सर्वाच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री यादव

बुरहानपुर नगर, बुरहानपुर ग्रामीण, नेपानगर और खकनार तहसीलों के 188 गांवों के 8 हजार 115 किसानों की केले की फसल प्रभावित हुई है। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़ी है।

आज प्राकृतिक आपदा से प्रभावित जिले के 8 हजार से अधिक किसानों के खातों में 107 करोड़ 72 लाख रुपये से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जा रही है। यह राशि मुश्किल समय में किसानों को संबल देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को बुरहानपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केले की पैदावर में हुए नुकसान के लिए किसानों के खातों में सिंगल



क्लिक से मुआवजा राशि अंतरित की। बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को

सेवाओं के साथ सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आह्वान किया कि किसान नई तकनीक को आत्मसात करें, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और उद्यानिकी फसलों से अपनी आय बढ़ाएं। खेती से सभी प्रकार के उद्योगों के लिए कच्चा माल और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष के माध्यम से किसानों को लाभान्वित करने के लिए 16 विभागों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की है। किसानों की समृद्धि, उनकी आय दोगुनी करने के लिए जिलास्तर पर बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत मां अहिल्याबाई होल्कर की धरती इंदौर से की थी।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0

अभियान के तहत सरदारपुर में मैराथन दौड़ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सरदारपुर पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा संचालित “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को पुलिस थाना सरदारपुर द्वारा कस्बा सरदारपुर में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत खेल परिसर सरदारपुर के युवाओं, स्पोर्ट्स क्लब के संजय दीक्षित एवं सुदीप तिवारी, समाधान समाज सेवा धार (एनजीओ) के प्रतिनिधियों, व रामदेव राठौर, थाना प्रभारी सरदारपुर श्री अनिल कुमार जाधव तथा थाना स्टाफ की सहभागिता में मैराथन दौड़ आयोजित की गई। मैराथन के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूर रहकर स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों को “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के तहत नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी श्री अनिल कुमार जाधव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत थाना सरदारपुर पुलिस द्वारा समय-समय पर विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि समाज को नशामुक्त एवं जागरूक बनाने के लिए प्रभावी प्रयास जारी रह सकें।

माय भारत पोर्टल पर लें नशा मुक्त युवा संकल्प ई-प्रमाणपत्र पाकर अभियान से जुड़ने का आह्वान: दीर्घा राजावत

दिलीप पाटीदार

धार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के ‘मेरा युवा भारत’ (माय भारत) पोर्टल के माध्यम से युवाओं को “नशा मुक्त भारत” अभियान से जोड़ने के लिए एक विशेष पहल शुरू की गई है। इसके तहत जिले के युवाओं से पोर्टल पर जाकर नशा मुक्त युवा संकल्प लेने, ई-प्रमाणपत्र प्राप्त करने और समाज को जागरूक करने की अपील की गई है जिला युवा अधिकारी दीर्घा राजावत ने धार जिले

के युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि देश और जिले के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं का नशा मुक्त होना बेहद जरूरी है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी तभी सशक्त होगी जब हमारी युवा पीढ़ी मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेगी।

उन्होंने बताया कि ‘माय भारत’ पोर्टल पर जाकर कोई भी युवा आसानी से नशा मुक्ति की शपथ ले सकता है और तुरंत अपना ई-प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकता है। यह अभियान ‘Gen-Z Against Addiction’

(नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत) के संकल्प के साथ संचालित किया जा रहा है। जिला युवा अधिकारी ने धार जिले के सभी राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवाओं और छात्र-छात्राओं से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि युवा न केवल खुद यह संकल्प लें, बल्कि अपने आसपास के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्परभावों के प्रति जागरूक करें और उन्हें भी इस राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करें।

ट्रेन छूटने पर

मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला से सामूहिक दुष्कर्म, मुख्य आरोपी ऑटो चालक गिरफ्तार



नवल किशोर

कटनी। मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन छूट जाने के बाद एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को झांसा देकर जंगल में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी को रीठी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल ऑटो (MP 21 ZJ 6903) को भी जब्त कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?

घटना 14 जून की है। पीड़ित महिला अपने बच्चों के साथ निजामुद्दीन से छत्तीसगढ़ जाने के लिए हीराकुंड एक्सप्रेस में सवार हुई थी। महिला का दिल्ली में मानसिक बीमारी का इलाज चल रहा था। रात करीब 9:45 बजे मुड़वारा स्टेशन पर पानी लेने उतरी महिला की ट्रेन छूट गई। इसी दौरान स्टेशन के बाहर मिले एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला को मंदिर दर्शन कराने का झांसा दिया और ई-रिक्शा (ऑटो) में बैठा लिया। आरोपी महिला को रीठी रोड स्थित पटौहा स्टेशन के पास जंगल में ले गए, जहाँ ऑटो चालक और उसके साथी ने बारी-बारी से महिला के साथ दुष्कर्म किया।

112 की सूचना पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था

15 जून की सुबह ‘डायल 112’ पर सूचना मिलने पर रीठी पुलिस मौके पर पहुँची। महिला सड़क किनारे बैठी मिली और मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण कुछ भी बताने में असमर्थ थी। पुलिस ने उसे शासकीय अस्पताल रीठी में भर्ती कराया और परिजन को सूचित किया। भाई के आने के बाद वह महिला

को इलाज के लिए दिल्ली ले गया। दिल्ली में इलाज के बाद जब महिला की मानसिक स्थिति सामान्य हुई, तब उसने अपने साथ हुई आपबीती भाई को बताई। इसके बाद सफदरजंग (साउथ दिल्ली) थाने में मामला दर्ज किया गया, जहाँ से केस डायरी कटनी जिले को भेजी गई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। रीठी थाने में 15 जुलाई को मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

800-900 ऑटो चालकों की जाँच के बाद पकड़ा गया आरोपी- घटना एक माह पुरानी और आरोपी अज्ञात होने के कारण पुलिस के लिए यह मामला बेहद चुनौतीपूर्ण था। रीठी पुलिस ने लगातार प्रयास करते हुए जिले के करीब 800 से 900 ऑटो चालकों की स्क्रीनिंग की। तकनीकी साक्ष्यों और जाँच के आधार पर रीठी क्षेत्र के जमुनिया निवासी ऑटो चालक दिनेश चौधरी पर संदेह हुआ। कड़ाई से पूछताछ करने पर दिनेश चौधरी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया पुलिस ने मुख्य आरोपी दिनेश चौधरी को गिरफ्तार कर उसका ऑटो जब्त कर लिया है।

पुलिस अब न्यायालय से रिमांड प्राप्त कर इस मामले में शामिल दूसरे अज्ञात आरोपी की तलाश कर रही है। इस सफलता में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के पर्यवेक्षण में रीठी थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद शाहिद, उप निरीक्षक दिनेश चौहान और साइबर सेल की टीम की मुख्य भूमिका रही।

राष्ट्र की शक्ति

युवाओं का जीवन तनावपूर्ण नहीं, बल्कि आनंदमय होना चाहिए

आज का युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसकी ऊर्जा सही दिशा में प्रवाहित हो, तो वह न केवल अपने जीवन को सफल और संतुलित बना सकता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। वर्तमान समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी जीवनशैली, सोशल मीडिया का प्रभाव तथा भविष्य की अनिश्चितताओं के कारण अनेक युवा मानसिक तनाव, चिंता और असंतोष का अनुभव कर रहे हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि जीवन और यह संसार अत्यंत सुंदर है, बशर्ते मनुष्य इसे सहजता, सरलता और संतुलन के साथ जीना सीख ले। अक्सर व्यक्ति धन, भौतिक सुख-सुविधाओं और क्षणिक मनोरंजन तक ही अपने जीवन को सीमित कर लेता है। परिणामस्वरूप वह अपने भीतर विद्यमान दिव्य शक्तियों और जीवन के वास्तविक उद्देश्य को पहचान नहीं पाता। परमात्मा ने मानव शरीर को अत्यंत अद्भुत और वैज्ञानिक ढंग से निर्मित किया है। हमारे सूक्ष्म तंत्र में सात चक्र, तीन नाड़ियाँ तथा कुंडलिनी शक्ति विद्यमान हैं। जब आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से यह शक्ति जागृत होती है, तब मनुष्य का जीवन आश्चर्यजनक रूप से सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव करता है।

आत्मसाक्षात्कार के पश्चात ध्यान के माध्यम से साधक ब्रह्मांड में व्याप्त सर्वव्यापी परम चेतना से जुड़ जाता है। यह अनुभव मनुष्य को गहन शांति, निर्मल आनंद और आत्मिक संतोष प्रदान करता है। ध्यान की नियमित साधना से हमारे चक्र और नाड़ियाँ शुद्ध एवं संतुलित होती हैं, जिनमें चेतन्य का प्रवाह प्रारंभ हो जाता है। फलस्वरूप व्यक्ति शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक रूप से अधिक स्वस्थ, संतुलित और सशक्त बनता है। उसके भीतर प्रेम, करुणा, क्षमा और विवेक जैसे दिव्य गुणों का विकास होता है तथा वह अपने दोषों को पहचानकर स्वयं को निरंतर बेहतर बनाने की दिशा में अग्रसर होता है। आज की विडंबना यह है कि अनेक युवा यह मान बैठते हैं कि जीवन केवल मौज-मस्ती और इच्छानुसार जीने का नाम है। धीरे-धीरे उनकी श्रद्धा, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक दृष्टि कमजोर होती जाती है। परिणामस्वरूप वे गलत संगति, मिथ्या शान-शौकत, आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव के जाल में उलझ जाते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या तनाव, असुरक्षा और अशांति से भरे जीवन को वास्तव में “कूल” कहा जा सकता है? ऐसे समय में सहजयोग ध्यान युवाओं के लिए एक अमूल्य वरदान सिद्ध हो



सकता है। यह केवल ध्यान की एक विधि नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से अपने वास्तविक स्वरूप को जानने और आंतरिक संतुलन स्थापित करने का सहज मार्ग है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विश्व को प्रदान किया गया सहजयोग व्यक्ति के भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति के जागरण द्वारा मानसिक तनाव, भय, क्रोध, असुरक्षा तथा नकारात्मक प्रवृत्तियों से मुक्ति दिलाकर प्रेम, करुणा, आत्मविश्वास और विवेक का विकास करता है। नियमित सहजयोग ध्यान से व्यक्ति न केवल स्वयं का समग्र विकास करता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी अधिक जागरूकता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करता है। श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहजयोग आधुनिक युग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने का एक सहज, अनुभवजनित एवं पूर्णतः निःशुल्क माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं इसका अनुभव कर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। सहजयोग पूर्णतः निःशुल्क है। अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर: 1800-270-0800 अथवा www.sahajayoga.org.in टोल-फ्री नंबर: 1800 270 0800 से प्राप्त कर सकते हैं।



सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का सम्मान



नवल किशोर

कटनी। सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी में जिला स्तरीय सांदीपनी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सांदीप जायसवाल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा मंचासीन रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी सचिदानंद पाण्डेय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के मार्गदर्शक शिक्षकों, प्राचार्यों को प्रशस्ति-पत्र, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।



अतिथियों ने अपने उद्बोधन में छात्रों का मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

अतिथियों ने कहा कि यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का गौरवपूर्ण अभिनंदन है। इस प्रेरणादायी आयोजन ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया तथा शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊर्जा प्रदान करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक एवं नागरिक उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नितीनदासजी महाराज द्वारा श्री पटेल एवं श्री परमालिया को आशीर्वाद प्राप्त हुआ

इन्दौर। महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 नितीनदासजी महाराज के पाद पूजन समारोह में अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, समाजसेवी मदन परमालिया अपने साथियों सहित हंसदास मठ में शामिल हुए। इस अवसर पर महाराजजी ने अपने आशीर्वाचन देते हुए कहा कि हम किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हों, लेकिन सनातन धर्म पहले है, जिसमें हमने जन्म लिया। मुझे प्रसन्नता है कि इतने व्यस्त समय में आप हमारे गुरु पूर्णिमा पर गुरु पाद पूजन समारोह में शामिल हुए।



15 दिन... सैकड़ों किलोमीटर की जागरूकता...

हजारों लोगों तक पहुंचा संदेश

‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ बना जनआंदोलन, सजे-धजे थाना परिसर में उमड़ा विद्यार्थियों का उत्साह

पुलिस और समाज ने मिलकर लिया नशा मुक्त भविष्य का संकल्प

बामौर कला में नशा मुक्ति अभियान का भव्य समापन

अतुल जैन

खनियांधाना। पुलिस की छवि केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सही दिशा देने की जिम्मेदारी भी उसकी है। इसी सोच को साकार करते हुए बामौर कला थाना पुलिस द्वारा 15 जुलाई से शुरू किया गया “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान गुरुवार को भव्य समापन के साथ संपन्न हुआ।

पिछले 15 दिनों तक लगातार चले इस अभियान ने पूरे क्षेत्र में नशा मुक्ति की अलख जगाई और युवाओं को सकारात्मक जीवन की राह दिखाने का प्रयास किया। समापन समारोह के लिए बामौर कला थाना परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। प्रवेश द्वार से लेकर मंच तक नशा मुक्ति के संदेश लिखे बैनर, पोस्टर और स्लोगन लगाए गए थे। पूरा थाना परिसर जनजागरूकता के केंद्र में बदल गया था। कार्यक्रम में आदर्श विद्या मंदिर एवं तक्षशिला कोचिंग के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। विद्यार्थियों की भारी उपस्थिति ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया।

15 दिन तक गांव-गांव पहुंचा अभियान

अभियान के दौरान बामौर कला पुलिस ने स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। रैलियां निकाली गईं, नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए,

खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, शपथ ग्रहण कराए गए और जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। अभियान का उद्देश्य केवल नशे के खिलाफ चेतावनी देना नहीं, बल्कि युवाओं को शिक्षा, खेल और अच्छे संस्कारों की ओर प्रेरित करना भी रहा।

“नशा सिर्फ शराब नहीं, हर बुरी आदत भी नशा है”

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी संजय लोधी ने विद्यार्थियों से सरल भाषा में कहा कि नशा केवल शराब, बीड़ी, सिगरेट, गांजा या स्मैक तक सीमित नहीं है। चोरी, अपराध और किसी भी प्रकार की बुरी आदत भी व्यक्ति को उसी तरह अपनी गिरफ्त में ले लेती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य तय करें, मेहनत से पढ़ाई करें और हर प्रकार की गलत संगत व बुरी आदतों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि उज्ज्वल भविष्य का रास्ता शिक्षा, अनुशासन और अच्छे संस्कारों से होकर जाता है।



डॉ. अनंत गुप्ता ने स्वास्थ्य पर बताए गंभीर दुष्प्रभाव

कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. अनंत गुप्ता ने कहा कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह नई परेशानियों को जन्म देता है। उन्होंने बताया कि तंबाकू, गुटखा, शराब और अन्य नशे मुंह का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में मोबाइल की लत भी एक खतरनाक नशा बन चुकी है, जिससे विद्यार्थियों को बचना चाहिए।

विद्यार्थियों ने ली नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ

समापन समारोह में मौजूद विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को

भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। शिक्षकों ने भी पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जनआंदोलन बन गया अभियान

लगातार 15 दिनों तक चले इस अभियान ने यह साबित कर दिया कि यदि पुलिस, शिक्षा जगत और समाज मिलकर प्रयास करें तो नशा जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ



प्रभावी माहौल बनाया जा सकता है। “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” केवल एक पुलिस अभियान नहीं रहा, बल्कि बामौर कला क्षेत्र में यह जनभागीदारी का ऐसा आंदोलन बन गया, जिसने हजारों लोगों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाया और युवाओं को बेहतर भविष्य की राह चुनने की प्रेरणा दी।

नशा मुक्ति का संदेश: ‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ मिनी मैराथन में उमड़ा जनसैलाब, एसएसपी ने संभाली कमान

त्रिषि गोस्वामी

शिवपुरी: जिले को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ शिवपुरी की सड़कों पर बुधवार को ऊर्जा, उत्साह और जनसहभागिता का एक अनूठा नजारा देखने को मिला। नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” मिनी मैराथन दौड़ में युवाओं, महिलाओं, स्थानीय नागरिकों और पुलिस बल ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस भव्य आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) यांगचेन डोलकर भूटिया स्वयं मैदान में उतरीं और प्रतिभागियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दौड़ लगाईं।

पोलो ग्राउंड से शुरू हुई मैराथन, उमड़े 500 से अधिक प्रतिभागी

शहर के पोलो ग्राउंड से शुरू हुई इस मिनी मैराथन में 500 से अधिक



धावकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, युवतियां, पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए।

एसएसपी यांगचेन डोलकर भूटिया की अगुवाई में पुलिस बल और आम नागरिकों को एक साथ दौड़ते देख

शहरवासियों में भी भारी उत्साह देखा गया। इस पहल से पुलिस और आम जनता के बीच आपसी तालमेल और सकारात्मक संदेश का एक मजबूत उदाहरण पेश हुआ।

विजेताओं को मिला उत्साहवर्धन पुरस्कार प्रतिभागियों को बढाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की गई थी:

प्रथम पुरस्कार: 5,500 एवं शील्ड
द्वितीय पुरस्कार: 3,300 एवं शील्ड
तृतीय पुरस्कार: 2,200 एवं शील्ड
अन्य प्रतिभागी: इसके अलावा अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

“नशा नाश की जड़ है” - एसएसपी यांगचेन डोलकर भूटिया कार्यक्रम के समापन अवसर पर एसएसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने सभी प्रतिभागियों, पुलिस कर्मियों

और आयोजन से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा: “नशा नाश की जड़ है। आज जिस प्रकार हमारे जिले के युवाओं, महिलाओं और पुलिस बल ने बढ़-चढ़कर इस मैराथन में हिस्सा लिया है, वह इस बात का प्रमाण है कि शिवपुरी को नशा मुक्त बनाने के लिए हर नागरिक संकल्पित है।” लिया गया नशा मुक्ति का संकल्प मैराथन के दौरान सभी प्रतिभागियों और उपस्थित नागरिकों ने नशे के दुष्प्रभावों के खिलाफ आवाज उठाने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया। समापन समारोह में सभी ने जीवन में कभी नशा न करने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। इस सफल आयोजन ने शिवपुरी में सामाजिक एकजुटता और जागरूकता की एक नई मिसाल पेश की है।

शिवपुरी: कोतवाली पुलिस का बड़ा प्रहार

अंतरराज्यीय जुआरी गिरोह बेनकाब, 45 लाख के माल के साथ 17 गिरफ्तार

अभि गोस्वामी

शिवपुरी: जिले में जुआरियों और अवैध कारोबारियों की शामत आ गई है! एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया की सख्त कार्यशैली और कोतवाली पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई ने शहर में भूचाल ला दिया है। भजन होटल फोरलेन के पीछे चल रहे एक बड़े अंतरराज्यीय जुए के अड्डे पर पुलिस ने ऐसा रेड मारी कि जुआरियों के होश उड़ गए। ताश के पत्तों पर किस्मत आजमा रहे 17 शातिर जुआरियों को पुलिस ने रंगे हाथों दबोच लिया है। इस हाई-प्रोफाइल फड़ से पुलिस ने 45 लाख 15 हजार रुपये से ज्यादा का मशरूका (नकद, लगजरी गाड़ियाँ और मोबाइल) जब्त किया है।

कैसे बिछाया पुलिस ने जाल?— मुखबिर की सटीक सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे ने बिना वक्त गंवाए अपनी टीम के साथ भजन होटल के पीछे स्थित इमारत की पहली मंजिल पर दबिश दी। पुलिस को अपनी ओर आते देख जुआरियों में भगदड़ मच गई और वे भागने की फिराक में थे, लेकिन चौकस पुलिस टीम ने चारों तरफ से ऐसा चक्रव्यूह रचा कि परिंदा भी पर न मार सका। सभी 17 आरोपियों को मौके पर ही धर दबोचा गया।

मची लूट

जब्त हुआ भारी-भरकम खजाना तलाशी के दौरान पुलिस के हाथ जो लगा, उसने खुद पुलिसवालों को भी हैरान कर दिया

नकद राशि: 1,65,000 नगद, मोबाइल: 17 महंगे एंड्रॉइड फोन लगजरी गाड़ियाँ

- » » स्विफ्ट डिजायर (MP07 ZZ 5968) - (अरविन्द ओझा)
- » » स्विफ्ट डिजायर (MP07 AZ 7808) - (अजीत राय)
- » » मारुति अर्टिगा (MP33 ZH 6271) - (अंकु उर्फ रवि)
- » » स्विफ्ट कार (MP07 ZP 4085) - (विनोद पारासर)
- » » कुल जब्ती: लगभग 45,15,000/-



यूपी तक फैला था जुआरियों का नेक्सस-यह कोई आम लोकल जुआ नहीं था, बल्कि इसके तार पड़ोसी राज्य तक जुड़े थे। गिरफ्तार आरोपियों में शिवपुरी के अलग-अलग इलाकों (कोलारस, बदरवास, भौंती, सुभाषपुरा, श्योपुर) के अलावा उत्तर प्रदेश के झांसी जिले का शातिर खिलाड़ी भी शामिल है।

पकड़े गए आरोपियों के नाम:- कैलाश धाकड़, विजय पाल, अंकित रजक, इन्द्रपाल चिडार,

अरविन्द ओझा, आदित्य जैन, अजीत राय, सूरज खटीक, पंकज शर्मा, अतर सिंह धाकड़, विजय शर्मा, अंकु उर्फ रवि उर्फ रोहित राय, भूरा बाथम, नागेश रावत, सुनील बाथम, सोनेराम रजक और विनोद पारासर।

सलाखों के पीछे पहुंचे आरोपी

कोतवाली पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 579/26 दर्ज करते हुए धारा 13 पब्लिक गैबलिंग एक्ट और 112(2) BNS के

तहत तगड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहाँ से जेल वारंट कटते ही सभी को सीधा जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। इस सनसनीखेज कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम (निरीक्षक रोहित दुबे, एसआई विवेक भट्ट और एसआई सुमित शर्मा) की इलाके में जमकर सराहना हो रही है। पुलिस के इस कड़े संदेश से साफ है कि अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों की अब खैर नहीं!

शिवपुरी पुलिस का एक्शन

12 घंटे के भीतर लूटेरा 'पण्डा' गिरफ्तार, सिर पर दर्ज हैं 19 गंभीर अपराध

अभि गोस्वामी

शिवपुरी: शहर में खाकी का खौफ एक बार फिर साफ देखने को मिला है। कोतवाली पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर लूट की एक सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए शातिर बदमाश को धर दबोचा है। पकड़ा गया आरोपी कोई आम क्रिमिनल नहीं, बल्कि एक आदतन अपराधी है जिस पर पहले से ही 19 गंभीर मामले दर्ज हैं। एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, एसपी रामदास प्रजापति और सीएसपी सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन तथा टीआई रोहित दुबे की सतर्क टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

क्या थी पूरी घटना?

फरियादी सुल्तान सिंह गुर्जर (निवासी बम्हारी) ने 29 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 जुलाई को जब वह रोटरी क्लब की बाउंड्री के पास पैदल जा रहे थे, तभी बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उन्हें धक्का दिया और पैट की जेब से 20,000 नकद लूटकर रफूचक्कर हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाने में अपराध क्र. 578/26 (धारा 309(6) BNS व 11/13 MPDPK Act) के तहत केस दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की गई।



सीसीटीवी और मुखबिर से बिछाया जाल- कोतवाली टीआई रोहित दुबे ने बिना वक्त गंवाए विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला और कड़ियों से कड़ियां जोड़ीं। जांच के दौरान आरोपी की पहचान सुरेन्द्र शर्मा उर्फ पण्डा के रूप में हुई। 30 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी पुराने रेलवे स्टेशन के पास घूम रहा है। पुलिस

ने तुरंत घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन चौकस जवानों ने उसे दौड़कर दबोच लिया।

माल बरामद और शातिर का कच्चा चिट्ठा- तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से लूटे गए रुपयों में से 4,500 नकद बरामद किए गए। पूछताछ में उसने अपने दूसरे साथी विकास उर्फ आकाश बाथम के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम देना कबूला है। बाकी के रुपये उसके फरार साथी के पास होना बताए गए हैं, जिसकी सरगमी से तलाश जारी है।

क्राइम कुंडली: आरोपी सुरेन्द्र उर्फ पण्डा एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों (कोतवाली और देहात) में लूट, आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट और मारपीट जैसे 19 गंभीर अपराध पहले से दर्ज हैं। इसे पूर्व में भी लूट के मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है।

सराहनीय भूमिका- इस त्वरित और शानदार कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उप निरीक्षक सुमित शर्मा, उप निरीक्षक मुरारी यादव, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र परिहार और प्रधान आरक्षक विनय कुमार की विशेष भूमिका रही। शिवपुरी पुलिस की इस तेजी से अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों के उपयोगिता/ कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में करें प्रस्तुत, ताकि राशि जारी करने में न हो अनावश्यक विलंब- सुश्री कौर

नवल किशोर



कटनी। जिला खनिज प्रतिष्ठान मद (डीएमएफ) से स्वीकृत कार्यों के उपयोगिता एवं कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत किए जाने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ एवं सदस्य सचिव जिला खनिज प्रतिष्ठान सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त क्रियान्वयन एजेंसी को दिए हैं। डीएमएफ मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के द्वितीय, तृतीय और अंतिम किस्त की मांग पत्र के

साथ उपयोगिता कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र भिन्न-भिन्न एवं अपूर्ण दस्तावेजों के साथ प्रेषित किए जाने से किस्तों के जारी होने में अनावश्यक विलंब होता है। इसलिए अग्रिम कार्रवाई हेतु एकरूपता को दृष्टिगत रखते हुए मांग पत्र के साथ चेकलिस्ट एवं निरीक्षण प्रतिवेदन प्रारूप के अनुसार सुसंगत दस्तावेजों के साथ भेजने हेतु निर्देशित किया गया है।

“उचित समय” की तलाश में जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर पूछ रहा है-जनादेश दे दिया, सरकार चुन ली, अब राज्य का दर्जा कब मिलेगा?” जवाब आता है-उचित समय पर।” यह “उचित समय” भी बड़ा रहस्यमय जीव है। चुनाव के समय दिख जाता है, भाषणों में सुनाई देता है, लेकिन फैसला होने की बारी आती है तो अचानक गायब हो जाता है। लगता है जैसे सरकार ने उसे किसी सुरक्षित लॉकर में रख छोड़ा हो। जनता ने मतदान किया, सरकार बनी, मुख्यमंत्री ने शपथ ली, विधानसभा चल रही है, लेकिन अधिकार अब भी आधे-अधूरे हैं। मानो लोकतंत्र की गाड़ी खरीद ली गई हो, पर उसकी चाबी अभी दिल्ली के पास हो।

हेरानी की बात यह है कि “उचित समय” आने का

कैलेंडर किसी के पास नहीं। हर साल कहा जाता है-“बस थोड़ा इंतजार।” इंतजार इतना लंबा हो गया कि अब लोग पूछने लगे हैं—क्या “उचित समय” भी किसी समिति की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है? व्यंग्य यह नहीं कि वादा किया गया, बल्कि यह है कि वादे की अंतिम तिथि कभी लिखी ही नहीं गई। लोकतंत्र में जनादेश का सम्मान केवल सरकार बनाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि अधिकारों की बहाली तक भी पहुंचना चाहिए।

फिलहाल जम्मू-कश्मीर की कहानी कुछ यूँ है-जनादेश मिल गया, सरकार बन गई, लेकिन “उचित समय” अभी भी रास्ता पूछ रहा है।

परीक्षा सुधार का सही समय, अब केवल माध्यम नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था बदलने की जरूरत

भारत की परीक्षा व्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां छोटे बदलावों के बजाय व्यापक सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। हाल ही में नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के बाद पूरे देश में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठे। इस घटना के कारण करीब 23 लाख विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देने की स्थिति का सामना करना पड़ा। छात्रों के विरोध प्रदर्शन, जवाबदेही की मांग और प्रशासनिक कार्रवाई के बाद केंद्र सरकार ने वर्ष 2027 से नीट परीक्षा को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) करने की घोषणा की है। यह कदम निश्चित रूप से सकारात्मक माना जा रहा है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कागज की जगह कंप्यूटर का उपयोग कर देने से परीक्षा प्रणाली की सभी समस्याओं का समाधान नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा प्रणाली की पूरी संरचना को आधुनिक, सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाए। भारत की मौजूदा परीक्षा व्यवस्था लंबे समय से रटकर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देती रही है। अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं अभ्यर्थियों की स्मरण शक्ति का परीक्षण करती हैं, जबकि आधुनिक शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य विश्लेषण क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता, समस्या समाधान और व्यावहारिक समझ का मूल्यांकन होना चाहिए। विशेष रूप से नीट जैसी परीक्षा, जिसके माध्यम से देश के भावी चिकित्सकों का चयन होता है, उसमें केवल विषयों का रटा हुआ ज्ञान पर्याप्त नहीं माना जा सकता। एक डॉक्टर के लिए संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और व्यावहारिक समझ भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। सरकार द्वारा वर्ष 2027 से नीट को कंप्यूटर आधारित परीक्षा बनाने का निर्णय राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों के अनुरूप है। इससे प्रश्नपत्रों की छपाई, परिवहन और वितरण जैसी प्रक्रियाओं में होने वाली अनियमितताओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कंप्यूटर आधारित परीक्षा भी पहले की तरह एक ही प्रश्नपत्र और समान ढांचे पर आधारित रहेगी, तो साइबर अपराधियों और तकनीकी संधमारी की संभावना पूरी तरह समाप्त नहीं होगी।

इस संबंध में वर्ष 2021 का जेईई मेन परीक्षा घोटाला एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। परीक्षा पूरी तरह कंप्यूटर आधारित होने के बावजूद कुछ परीक्षा केंद्रों पर रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए बाहर बैठे लोगों द्वारा प्रश्न हल कराने का मामला सामने आया था। जांच एजेंसियों के अनुसार इस पूरे नेटवर्क के माध्यम से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कंप्यूटर आधारित परीक्षा लागू कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि परीक्षा केंद्रों की साइबर सुरक्षा और तकनीकी निगरानी भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए। विशेषज्ञों का सुझाव है कि भारत को अमेरिका और अन्य विकसित देशों की परीक्षा प्रणालियों से सीख लेनी चाहिए। अमेरिका की जीआरई और एसएटी जैसी परीक्षाएं केवल

डिजिटल नहीं हैं, बल्कि एडेप्टिव मॉडल पर आधारित हैं। इनमें प्रत्येक अभ्यर्थी को एक विशाल एन्क्रिप्टेड प्रश्न बैंक से अलग-अलग प्रश्न मिलते हैं, जिनकी कठिनाई का स्तर समान होता है। इस व्यवस्था में दो छात्रों के प्रश्नपत्र एक जैसे नहीं होते, जिससे प्रश्नपत्र लीक होने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर बायोमीट्रिक सत्यापन, सुरक्षित कंप्यूटर प्रणाली और लॉकडाउन टर्मिनल जैसी व्यवस्थाएं भी लागू रहती हैं।

ब्रिटेन की यूकैट परीक्षा भी आधुनिक मूल्यांकन प्रणाली का उदाहरण मानी जाती है। इसमें केवल तथ्यों को याद रखने की क्षमता नहीं, बल्कि निर्णय लेने, तार्किक सोच और परिस्थिति के अनुसार सही विकल्प चुनने की योग्यता का परीक्षण किया जाता है। भारत में भी कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) कई वर्षों से सफलतापूर्वक कंप्यूटर आधारित बहु-पाली प्रणाली के तहत आयोजित किया जा रहा है, जहां बड़े स्तर पर किसी प्रश्नपत्र लीक की घटना सामने नहीं आई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उचित तकनीकी व्यवस्था और मजबूत निगरानी के साथ सुरक्षित परीक्षा प्रणाली विकसित की जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में एक राष्ट्रीय एन्क्रिप्टेड प्रश्न बैंक तैयार किया जाना चाहिए, जहां से परीक्षा शुरू होने के समय प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अलग लेकिन समान कठिनाई स्तर वाला प्रश्नपत्र स्वतः तैयार हो। इसके साथ ही प्रत्येक परीक्षा केंद्र का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट अनिवार्य किया जाए, बायोमीट्रिक सत्यापन को पूरी तरह लागू किया जाए और किसी भी प्रकार के रिमोट एक्सेस या बाहरी सॉफ्टवेयर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इससे परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा कई गुना मजबूत हो सकती है। साथ ही ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए देशभर में पर्याप्त संख्या में आधुनिक परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएं और विद्यार्थियों को निःशुल्क मॉक टेस्ट उपलब्ध कराए जाएं, ताकि डिजिटल परीक्षा प्रणाली में किसी भी वर्ग के छात्रों के साथ असमानता न हो। तकनीकी बदलाव तभी सफल माना जाएगा जब शहर और गांव के विद्यार्थियों को समान सुविधाएं प्राप्त हों। शिक्षा विशेषज्ञ यह भी सुझाव देते हैं कि बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं वर्ष में दो या तीन बार आयोजित की जाएं और अभ्यर्थी के सर्वश्रेष्ठ स्कोर को मान्यता दी जाए। इससे एक ही परीक्षा पर अत्यधिक दबाव कम होगा और प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों का आर्थिक लाभ भी समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवाओं जैसी परीक्षाओं में केस स्टडी आधारित प्रश्न, परिस्थिति विश्लेषण और व्यावहारिक निर्णय क्षमता का मूल्यांकन भी शामिल किया जाना चाहिए। कुछ विषयों में ओपन-बुक परीक्षा जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं पर भी विचार किया जा सकता है, जिससे रटने की प्रवृत्ति कम होगी और वास्तविक ज्ञान का परीक्षण संभव होगा।

कॉमनवेल्थ खेल: नीरज की शुरुआत
साधारण, दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर, रोहित यादव ने 78.37 मीटर भाला फेंका, दोनों भारतीय फाइनल की दौड़ में



कॉमनवेल्थ खेलों की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर में भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का श्रो किया, जबकि दूसरे भारतीय खिलाड़ी रोहित यादव ने 78.37 मीटर की दूरी तक भाला फेंका। दोनों खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के साथ फाइनल में जगह पक्की करने की कोशिश में हैं। नीरज से इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक की बड़ी उम्मीदें हैं। 2018 के कॉमनवेल्थ खेलों के स्वर्ण विजेता नीरज चोट से वापसी के बाद पहली बार इस मंच पर उतर रहे हैं। क्वालीफिकेशन में उनका लक्ष्य सुरक्षित दूरी हासिल कर फाइनल में प्रवेश करना है, जहां पाकिस्तान के अरशद नदीम सहित दुनिया के कई दिग्गज खिलाड़ियों से मुकाबला होगा। वहीं रोहित यादव ने भी संयमित शुरुआत की। इस वर्ष वे शानदार फॉर्म में रहे हैं और हाल ही में 87.05 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ श्रो कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर चुके हैं।

पेपर लीक विरोधी संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित हो गया

राज्यसभा से भी इस विधेयक के पारित होने के आसार हैं। इस विधेयक पर संसद की मुहर लगाने के साथ ही पेपर लीक विरोधी कानून और अधिक कठोर हो जाएगा, लेकिन यह समय बताएगा कि वह परीक्षाओं में संध लगाने वाले तत्वों को हतोत्साहित करने में सफल होगा या नहीं? निःसंदेह परीक्षाओं में संध लगाने की समस्या को देखते हुए पेपर लीक विरोधी कानून को कठोर किया ही जाना चाहिए, लेकिन यह ध्यान रहे कि कड़े कानून एक सीमा तक ही प्रभावी होते हैं। आवश्यकता इसके उपाय करने की भी है कि पेपर लीक हो ही न सके। आशा की जाती है कि नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में गठित समिति की ओर से सुझाए गए उपायों पर अमल करने में भी तत्परता दिखाई जाएगी। ऐसा करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि देश में पेपर लीक कराने वाला एक माफिया पैदा हो गया है। यह माफिया इसलिए पैदा हुआ है, क्योंकि ऐसे छात्रों की संख्या बढ़ी है, जो छल-छद्म से परीक्षा पास करना चाहते हैं। इसी के साथ स्कूली परीक्षाओं में भी नकल की प्रवृत्ति बढ़ती चली जा रही है। जो छात्र स्कूली परीक्षाओं में नकल करके पास होते हैं, वही आगे चलकर प्रतियोगी परीक्षाओं को अनुचित तरीके से पास करने के जतन करते हैं। स्पष्ट है कि पेपर लीक की समस्या के पीछे कहीं न कहीं समाज का चारित्रिक पतन भी जिम्मेदार है। इसे इससे समझा जा सकता है कि छात्रों और अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षक भी पेपर लीक में लिप्त पाए जा रहे हैं। यह एक विडंबना रही कि लोकसभा में पेपर लीक विरोधी कानून को और कठोर किए जाने संबंधी विधेयक पर चर्चा के दौरान पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तो खूब हुए, लेकिन पेपर लीक की समस्या के लिए उत्तरदायी नैतिक पतन की ओर ध्यानाकर्षण नहीं किया गया। कहीं इसलिए तो नहीं कि हमारे कई जनप्रतिनिधि भी ऐसे हैं, जिन पर छल-कपट के सहारे पास होने के आरोप लगे हैं? यह निराशाजनक रहा कि लोकसभा में पेपर लीक विधेयक के गुण-दोष पर बहुत कम चर्चा हुई।

श्री शिवाय नमस्तुभ्यं के जयकारों से गूंजा सीहोर

सीहोर। पवित्र श्रावण मास के शुभारंभ के शुभ अवसर पर सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है।

इस पावन अवसर पर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने सभी देशवासियों और शिव भक्तों को श्रावण मास की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। श्रावण मास के पहले ही दिन से सीहोर की सीवन नदी के तट पर कांवड़ियों

और श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। बड़ी संख्या में शिवभक्त सीवन नदी से पवित्र जल भरकर बोल बम और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं के जयकारों के साथ पैदल कुबेरेश्वर धाम की ओर प्रस्थान कर रहे हैं, जहां वे भगवान कुबेरेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

पवित्र श्रावण मास को लेकर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने



श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि सावन

मास में भगवान शिव की भक्ति का विशेष महत्व है और हर मनुष्य को किसी न किसी रूप में प्रभु की सेवा में समर्पित रहना चाहिए। पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि सावन का पूरा महीना शिव भक्ति और पुण्य कमाने का एक पावन अवसर होता है। यदि मनुष्य इस दौरान निष्काम भाव से भगवान शिव के शरण में जाता है, तो उसकी सभी विपत्तियां दूर होती हैं।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने भगवान श्री गणेशजी महाराज के जीवन का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जिस प्रकार श्री गणेशजी ने अत्यंत पवित्र और आनंदमय भाव से अपने माता-पिता देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती की परिक्रमा कर प्रथम पूज्य का स्थान प्राप्त किया था, ठीक उसी तरह श्रद्धालुओं को भी निष्ठापूर्वक भक्ति करनी चाहिए।

सड़क पर उतरे नर्सिंग छात्र

रोके गए एग्जाम और रिजल्ट जारी करने की मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश में बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़े के बीच सालों से अपना भविष्य अधर में लटके देख नर्सिंग छात्र-छात्राओं का सब का बांध आखिरकार टूट गया। जबलपुर में नर्सिंग के छात्रों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों की मुख्य मांग है कि उनके रोके गए एग्जाम कराए जाएं और पेंडिंग रिजल्ट जल्द से जल्द जारी किए जाएं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि वे साल 2020-21 से नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन लगातार हो रही देरी और कोर्ट स्टे के कारण वे अब तक ग्रेजुएट नहीं हो पाए हैं। छात्रों ने जबलपुर हाईकोर्ट से गुहार लगाई है कि इस मामले में जल्द से जल्द सुनवाई कर कोई ठोस निर्णय लिया जाए ताकि उनका शैक्षणिक सत्र और भविष्य बर्बाद न हो। इस पूरे मामले पर 3 अगस्त को हाई कोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई होनी है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस सुनवाई में छात्रों की समस्याओं के

समाधान का कोई न कोई रास्ता निकल सकता है। वर्तमान में हाई कोर्ट के आदेशानुसार 'अनसूटेबल' (अयोग्य) और 'डेफिशिएंट' घोषित किए गए कॉलेजों के विद्यार्थियों की परीक्षाओं और उनके रिजल्ट पर रोक लगी हुई है।

यह पूरा विवाद मध्य प्रदेश में सत्र 2020-21 के दौरान बिना मापदंडों के धड़ाधड़ खोले गए फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से जुड़ा है- जनहित याचिका: लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर फर्जी कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट की सख्ती के बाद इस मामले की जांच सीबीआई (CBI) को सौंपी गई थी।

सीबीआई जांच में प्रदेश के लगभग 800 से अधिक नर्सिंग कॉलेजों में से करीब 600 कॉलेज नियमों और मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में केवल 245 कॉलेज ही 'सूटेबल' (योग्य) पाए गए।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को जान

से मारने की धमकी, दिल्ली पुलिस से

प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

www.boudhikpratikal.com

निर्दलीय सांसद को उनकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि भेजे गए संदेश में उन्हें और उनके पूरे परिवार को गोली और बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

मामले को गंभीर बताते हुए

पप्पू यादव ने नई दिल्ली पुलिस के उपायुक्त को पत्र लिखकर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।



धमकी भरे संदेश की तकनीकी जांच के साथ उसके स्रोत का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस की ओर से आधिकारिक जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र में फिर सक्रिय हुआ मानसून,

31 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के असर से महाराष्ट्र में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य के 31 जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मुंबई, पुणे, रायगढ़, नागपुर सहित कई जिलों में 31 जुलाई तक भारी से अति भारी बारिश, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, लगातार बारिश से निचले इलाकों में जलभराव, यातायात प्रभावित होने और नदियों-नालों का जलस्तर बढ़ने की आशंका है। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है और आपदा प्रबंधन दलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, जलभराव वाले क्षेत्रों



में सावधानी बरतने और मौसम विभाग की आधिकारिक चेतावनियों का पालन करने की अपील की गई है। मछुआरों को

भी समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है, क्योंकि तटीय इलाकों में तेज हवाएं और ऊंची लहरें उठने की संभावना है।

दांव पर 15 हजार लोगों की जिंदगी!

सहारा सिर्फ बांस का पुल

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुलकवार में विकास के दावों की हकीकत चौकाने वाली है। यहां बेलहवा नदी पर आज भी पक्का पुल नहीं बन पाया है। मजबूरी में ग्रामीण हर साल बांस का अस्थायी पुल बनाकर अपनी जिंदगी दांव पर लगाते हैं। कोरावल विकास मंच के अध्यक्ष डॉ. रमा शंकर सिंह की पहल पर इस वर्ष भी बेलहवा नदी पर बांस का पुल तैयार कराया गया है, ताकि लोगों का आवागमन किसी तरह जारी रह सके। पिछले साल भी इसी तरह का पुल बनाया गया था, लेकिन प्रशासन के वादे कागजों से बाहर नहीं निकल सके। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पुल से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। बगदरा, नेवारी, मझिगवां, कुलकवार, लेदपुरवा, कमरौहा, झगरहिया और खमाहडीह सहित करीब 12 से 15 हजार की

आबादी इसी रास्ते पर निर्भर है। बरसात के दिनों में यही बांस का पुल उनकी जिंदगी और मौत के बीच की आखिरी डोर बन जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और क्षेत्रीय विधायक एवं राज्य मंत्री राधा सिंह को आवेदन देकर पक्का पुल बनवाने की मांग की, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पिछले वर्ष चितरंगी के तत्कालीन सीईओ राहुल सैयाम ने भी मौके का निरीक्षण कर पुल निर्माण का भरोसा दिया था, लेकिन वह आश्वासन भी अधूरा रह गया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या 15 हजार लोगों की जिंदगी की कीमत एक पक्के पुल से भी कम है? आखिर कब तक ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर इस बांस के पुल से नदी पार करने को मजबूर रहेंगे।